बूंदी महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तीन दिवसीय बूंदी महोत्सव का शुभारंभ किया

तीन दिवसीय सतरंगी बूंदी महोत्सव के तहत निकाली गई शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे विभिन्न समुदायों के लोगों, लोक कलाकारों ने हाड़ौती की समृद्ध लोक संस्कृति के रंग बिखेरे।

बूंदी, (निसं)। ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी छोटी काशी बूंदी में आज से तीन दिवसीय सतरंगी बूंदी महोत्सव 2025 का भव्य आगाज हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गढ़ पैलेस में आयोजित समारोह में ध्वजारोहण कर इस भव्य सांस्कृतिक समागम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। महोत्सव का शुभारंभ गढ़ पैलेस पर श्री गणेश पूजा और झंडारोहण के साथ हुआ। इसके तुरंत बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने गढ़ पैलेस में ही कैनवास पेंटिंग वर्कशॉप का उद्घाटन किया।

शनिवार के आयोजनों का मुख्य आकर्षण नवल सागर से शुरू हुई भव्य शोभायात्रा रही। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष की शोभायात्रा को वंदे मातरम की देशभक्तिपूर्ण थीम पर आधारित रखा गया। शाही लवाजमे के साथ निकली इस यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे विभिन्न समुदायों के लोगों, लोक कलाकारों, और सजे हुए ऊंट-घोड़ों ने बूंदी की सड़कों पर हाड़ौती की समृद्ध लोक संस्कृति के रंग बिखेरे। हाथों में तिरंगा थामे विद्यार्थियों ने आमजन में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। यह भव्य शोभायात्रा पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचकर समाप्त हुई, जहाँ सभी ने सामूहिक राष्ट्रगीत का गायन किया।

- **वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ की थीम पर आधारित रही भव्य शोभायात्रा**

इसके बाद, पुलिस परेड ग्राउंड पर सुबह से पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का रोमांच शुरू हुआ। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित रस्सा-कस्सी, मूंछ प्रतियोगिता, साफा बांधना और पणिहारी दौड़ जैसे खेलों में स्थानीय निवासियों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों ने भी उत्साह से भाग लिया और अपना दमखम दिखाया। इस दौरान जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, पुलिस अधीक्षक राजेंद्र मीणा,अतिरिक्त जिला कलेक्टर राम किशोर मीणा, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, उपखण्ड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा एवं पूर्व राजपरिवार के वंशवर्धन सिंह सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल की उपचार के दौरान मौत

मृतक के परिजनों ने हत्या का संदेह जताते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तार की मांग की

छबड़ा, (निसं)। लगभग दस दिन पूर्व खांखरा-कडैयानोहर मार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल युवक की कोटा चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने हत्या का संदेह जताते हुए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किए जाने की मांग की।

जानकारी अनुसार लगभग दस दिन पूर्व एक सड़क हादसे में नारायणपुरा निवासी मांगीलाल भील (70) की मौत हो गई थी। वहीं हादसे में गंभीर घायल दानमल (40) को उपचार के लिए कोटा रैफर कर दिया था। जहां उसने शनिवार को कोटा चिकित्सालय में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

मामले से आहत मृतक के परिजन व ग्रामीण शनिवार शाम को बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और मारपीट के दौरान मृतक की हत्या किए जाने का संदेह जताते हुए मामले में निष्पक्ष कार्यवाही कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी किए जाने की मांग की। इस मामले में सीआई राजेश खटाना ने बताया कि मामले में गहन अनुसंधान किया जा रहा है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

एल्युमिनियम कॉयल से भरे ट्रेलर में आग लगी

ट्रेलर रोककर चालक ने कूदकर जान बचाई

ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जल गया।

पावटा, (निसं)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित हाईवे किंग होटल के पास शनिवार सुबह एल्यूमिनियम कॉयल से भरे चलते ट्रेलर के केबिन में आग लग गई। चालक ने ट्रेलर से कूदकर अपनी जान बचाई व आग पर काबू पाने की कोशिश की। एक दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक केबिन जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि एल्यूमीनियम कॉइल से भरे ट्रेलर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग की लपटें और धुंआ निकलता देख चालक ने ट्रेलर रोक दिया और नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। आग की लपटों ने ट्रेलर के केबिन को अपनी चपेट में ले लिया और केबिन धूं धूं कर जल उठा। सूचना पर भाबरू थाना पुलिस व शाहपुरा से दमकल मौके पर पहुंची। कुछ देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पूरा केबिन जल गया। गनीमत रही कि लपटें पीछ एल्यूमिनियम कॉयल की तरफ नहीं गईं, अन्यथा चपेट में आने से भीषण हादसा हो सकता था।

सतीश पूनियां ने वासूदेव देवनानी की पत्नी को श्रद्धांजलि दी

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को ढांढस बंधाया।

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी स्वर्गीय इन्दिरा देवी के निधन उपरांत शनिवार को उनके निवास पर आयोजित नियमित श्रद्धांजलि बैठक में राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों, संत-महात्मा, पत्रकार जगत, सामाजिक संगठनों ने पहुँचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

- **सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक बालमुकुंद आचार्य, डॉ. ऋतु बानावत आदि ने भी शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया**

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां, सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक बालमुकुंद आचार्य, डॉ. ऋतु बानावत, सुभाष मील, गोरधन वर्मा, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, भाजपा प्रदेश मंत्री आईदान सिंह भाटी, जिला प्रमुख नागौर भागीरथ, जिला अध्यक्ष नागौर सुनीता माहेश्वरी, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, मान सिंह किनसरिया, डॉ. फूलचंद भिंडा, भगवान महावीर कैंसर अस्पतपाल डायरेक्टर सुभाष चंद्र पारीक ने श्रद्धाजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में स्थानीय एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों एवं समाजसेवियों ने भाग लेकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की। शनिवार को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा इस कठिन समय में ईश्वर से परिवार को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन हड़पी, एक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। शाहपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बिदारा में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विपक्षी ने मृतक गुलाब देवी के फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर जमीन का नामांतरण स्वयं की माता जी के नाम खुलवाकर उक्त जमीन का बेचान कर दिया।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी ने बताया कि शाहपुरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बिदारा निवासी नाथूराम शर्मा ने तहरीर देकर बताया है कि आरोपी सीताराम शर्मा वगैरा ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर उसके दत्तक पिता रामचंद्र की ग्राम बिधारा स्थित बेसकीमती पैतृक जमीन का झूठे तथ्यों व झूठ शपथ पत्र से उसकी दत्तक बहन गुलाब देवी के फर्जी मृत्यु प्रमाण के आधार से जमीन का नामांतरण स्वयं की माता जी के नाम खुलवाकर उक्त जमीन का बेचान श्री लक्ष्मी महिमा कॉलोनाइजर जयपुर के निदेशक रामचंद्र अग्रवाल व अशोक मीणा को कर दिया। वह योजनाबद्ध तरीके से उक्त जमीन की रजिस्ट्री भी कार्यालय उप पंजीयक झोटवाड़ा जयपुर में करवाई गई थी। जिस पर शाहपुरा पुलिस थाना द्वारा मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा डॉ. तेजपाल सिंह, वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निकटतम सुपरविजन व शाहपुरा थाना अधिकारी हेमराज सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आसूचना का संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा अथक प्रयास करते हुए आरोपी सीताराम शर्मा पुत्र रामप्रताप शर्मा निवासी भोनावास को डिटेन कर अनुसंधान किया गया तो घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जिस पर आरोपी सीताराम को गिरफ्तार कर न्यायालय से रिमांड प्राप्त किया गया।

संघर्ष चेतना यात्रा बीकानेर पहुंची

बीकानेर, (निसं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की प्रदेश स्तरीय संघर्ष चेतना यात्रा के नेताओं ने बीकानेर में कर्मचारियों से संवाद किया।

महासंघ के जिला अध्यक्ष पृथ्वीराज लेघा ने बताया कि यात्रा का नेतृत्व महासंघ के प्रदेश महामंत्री एवं शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेश अध्यक्ष महावीर सियाग कर रहे थे, जिसमें आयुर्वेद नर्सेज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र फोगाट, ग्राम विकास अधिकारी संघ के प्रदेश महामंत्री प्रहलाद जाट, राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के आनंद विजय गुप्ता, राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी, सहायक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह शेखावत शामिल थे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री महावीर सियाग ने कहा कि राज्य सरकार बोर्ड, निगम, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन के स्थान पर एनपीएस लागू करने हेतु 9 अक्टूबर को किए गए आदेश को अविलंब निरस्त करें। कर्मचारी नेता धर्मेंद्र फोगाट तथा प्रहलाद जाट ने संविदा, ठेका भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाकर नियमित भर्ती करते हुए वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग की।

प्यारेलाल चौधरी व मानसिंह शेखावत तथा विजय आनंद गुप्ता ने कर्मचारियों को 10ञ ग्रामीण भत्ता देने ,निजीकरण पर रोक लगाने, आरजीएस की कटौती बंद करने, 7-14 -21 -28- 35 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति वेतन देने की मांग रखी। जिला महामंत्री मनोज सुथार ने अपना स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रत्येक संवर्ग की मांग पर व्यावहारिक एवं सम्मानजनक पद नाम परिवर्तन किए जाएं। सभा अध्यक्ष आनंद पारीक व वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पुरोहित ने पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करते हुए नियमित डीसी की मांग रखी।

यातायात पुलिस वाहन को टक्कर मारने वाली गाड़ी मालिक के ठिकाने पर दबिश दी

पुलिस को फ्लैट में 22 फर्जी नम्बर प्लेटें और जिन्दा कारतूस मिले

जोधपुर, (कासं)। तीन दिन पहले जोधपुर-बाड़मेर हाईवे पर खाटावास के पास यातायात पुलिस के इंटरसेप्टर वाहन को टक्कर मारने वाली फॉर्च्यूनर के मालिक की तलाश के दौरान पुलिस ने पार्श्वनाथ सिटी में एक बंगले पर दबिश दी। पुलिस ने वहां से जिन्दा कारतूस, करीब दो दर्जन फर्जी नम्बर प्लेटें और अन्य संदिग्ध सामान जब्त किया, लेकिन पुलिस के दबिश देने की संभावना के चलते इस बंगले में रहने वाले तस्कर पुलिस के हत्थे नहीं चढ़े।

बोरानाड़ा थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि 6 नवंबर को जोधपुर बाड़मेर रोड़ पर एक फॉर्च्यूनर के चालक को रूकने का इशारा करने पर रूकने की बजाये पुलिस के इंटरसेप्टर वाहन और एक कार को टक्कर मारकर भाग छूटे थे। पुलिस ने पीछा किया तो कार में सवार चालक और उनके साथ भागी छूटे थे। कार में डोडा-पोस्त के अवशेष और करीब 80 हजार की नकदी मिली थी। कार के नम्बर प्लेट के आधार पर पता किया तो कार के नम्बर चूरू के थे। जब मालिक से बात की तो उसने अपनी गाड़ी चुरू में होना वीडियो काल पर बताया।

पुलिस ने इस मामले में जब कडिया जोड़ी और जांच शुरू की तो पता चला कि उक्त गाड़ी पार्श्वनाथ सिटी में आती जाती थी। इस पर थाने में तैनात प्रशिक्षु सब इंस्पेक्टर हेमराजसिंह ने मय जाब्ता पार्श्वनाथ सिटी के फ्लेट नम्बर 8 पर दबिश दी तो वहां पर ताला लगा था। पुलिस ने ताला खुलवा कर तलाशी ली तो वहां से करीब 22 फर्जी नम्बर प्लेटें, चार जिन्दा कारतूस और अन्य संदिग्ध वस्तुएं मिली। पुलिस ने इस फ्लेट में रहने वाले तीन तस्करों पेमाराम उर्फ प्रेमाराम पुत्र इशराराम निवासी उदावड़ा काश्मीर बाड़र, बाड़मेर के झाक के खेजड़डियाली निवासी गोविन्द पुत्र गिरधारीराम और गिड़ा थानान्तर्गत सिसोदिया का पाना निवासी डालूराम पुत्र तगाराम के खिलाफ बीएनएस और आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

बूंदी में निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

देश के विभिन्न राज्यों सहित ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से भी नव युगल सम्मिलित हुए

बूंदी, (निसं)। 78वें निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत, समालखा के उन्हीं मैदानों में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की उपस्थिति में सादगीपूर्ण निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया।

- **126 नवयुगलों का विवाह हुआ, बूंदी के श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया**

इस अवसर पर नवविवाहित युगलों ने परिणय सूत्र में बंधकर अपने नवजीवन की मंगलमय शुरुआत हेतु सतगुरु से शुभ आशीर्वाद प्राप्त किया। यह समारोह अत्यंत अनुपम और प्रेरणादायी रहा, जहाँ भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों राजस्थान,बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड सहित विदेश जैसे ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से 126 नव युगल सम्मिलित हुए।

इस शुभ अवसर पर 126 वर-वधू एक ही स्थल से एकत्व और सरलता का सुंदर संदेश देते हुए परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर मिशन के वरिष्ठ अधिकारीगण, वर-वधू के परिजन, श्रद्धालु भक्तगण ने इस दिव्य एवं भावनात्मक दृश्य का भरपूर आनंद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारम्परिक जयमाला एवं निरंकारी परंपरा के विशेष सांझा-हार से हुआ। तत्पश्चात भक्तिमय वातावरण में निरंकारी लावों का हिंदी भाषा में गायन किया गया, जिनकी प्रत्येक पंक्ति नवविवाहित युगलों के लिए आध्यात्मिक संदेशों एवं गृहस्थ जीवन की कल्याणकारी शिक्षाओं से परिपूर्ण थी। आयोजन के दौरान सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्पवृष्टि कर उन्हें सुखमय, आनंदमय एवं समर्पणमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया।

निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ।

महेश चांदवानी ने बताया यह आयोजन प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपनी सादगी, समरसता और एकत्व के दिव्य संदेश से आलोकित रहा, जो जाति, धर्म, भाषा और प्रांतीय भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता के एक सुंदर, समग्र एवं प्रेरणादायी स्वरूप को अभिव्यक्त करता है। सतगुरु माता जी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आज इस पावन अवसर पर सभी जोड़े सुंदर रूप में सजे हुए हैं। विवाहित जीवन की सार्थकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए सतगुरु माता जी ने कहा कि यह समारोह केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि प्यार, सम्मान और सहयोग से भरे पवित्र मिलन का प्रतीक है। विवाहित जीवन में यह बराबरी और सांझेदारी का संदेश देता है। जिस प्रकार लावों में भी बताया गया, यदि आध्यात्मिक प्रयास में किसी का योगदान कम हो, तो दूसरा उसे प्रोत्साहित करे, जिससे जीवन की यात्रा संतुलन और सामंजस्य के साथ आगे बढ़े।

'वरिष्ठजन अनुभव की दृष्टि से किसी भी संस्था के लिए अमूल्य धरोहर हैं'

अजमेर, (कासं)। संभागीय आयुक्त एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ ने कहा है कि भले ही विश्व में मशीनी युग चल रहा हो परन्तु अर्थात्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता कभी भी मानवीय अनुभवों का स्थान नहीं ले सकती है। इसलिए वरिष्ठजन अनुभव की दृष्टि से किसी भी संस्था के लिए अमूल्य धरोहर है। राठौड़ शनिवार शिक्षा बोर्ड के ऑडिटोरियम में राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में 70 और 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सेवानिवृत्ति वरिष्ठ जनों को सम्मानित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बोर्ड में अपनी सेवा के तीन से चार दशक व्यतीत कर चुके सेवानिवृत्त कार्मिक अपने अनुभवों का डॉक्यूमेंटेशन कर इस संस्था को उपलब्ध करायें ताकि उनके अनुभवों का लाभ नये कार्मिकों को मिल सके। कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे बोर्ड को आगामी वर्ष में सरकार से बड़ी संख्या में नये कार्मिक मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बोर्ड प्रशासक के रूप में उन्होंने अनुभव किया है कि राजस्थान बोर्ड की परीक्षाएं जिस पारदर्शिता के साथ संचालित होती हैं। उस कारण से ही यह देश का सर्वश्रेष्ठ शिक्षा बोर्ड की श्रेणी में शुमार होता है।

- **माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित**

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि उन्होंने आज से लगभग 50 वर्ष पूर्व राजस्थान बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उस समय भी राजस्थान बोर्ड की परीक्षाओं की विश्वसनीयता देश में अव्वल थी। प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि वही प्रमाणिकता, वही दक्षता आज भी इसी बोर्ड में कायम है। उन्होंने सेवानिवृत्त बोर्ड कर्मियों का आव्हान करते हुए कहा कि वे स्वयं को अपने को ईश्वर का प्रतिनिधि माने और समाज के लिए कुछ सकारात्मक योगदान दें। प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष राम बाबू शर्मा ने बताया कि बोर्ड में वर्तमान में 362 नियमित पेंशनर्स और 200 पारिवारिक पेंशनर्स हैं। बोर्ड प्रशासन ने इन सभी को आरसीजीएचएस सुविधा उपलब्ध कराकर बड़ी सौगात दी है। जब उन्होंने बोर्ड प्रशासन से सेवानिवृत कार्मिकों के द्वारा प्रति वर्ष दिए जाने वाले जीवन प्रमाण पत्र को ऑनलाइन करने का आग्रह किया तो समारोह की अध्यक्षता कर रहे बोर्ड प्रशासक ने यह आनलाईन सुविधा और पेंशनर्स रूम के लिए पर्याप्त फर्नीचर एवं अन्य सुविधाएं इसी माह उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्रारंभ में समारोह के मुख्य अतिथि और अध्यक्ष का स्वागत एसोसिएशन के अध्यक्ष रामबाबू शर्मा, अनिल रांका, एडगर दास और कमल गर्ग ने किया। अंत में महासचिव अनिल रांका ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का संचालन सुभाष दत्त शर्मा ने किया। समारोह में कार्यकारिणी सदस्य कमल गर्ग, प्रदीप बंसल, हेमंत वर्मा, एडगर दास, पवन जैन, मुरारी लाल शर्मा, ओंकार मोहनपुरिया, रामस्वरूप विजयवर्गीय आदि उपस्थित रहे।

तिरंगा रैली का आयोजन

बूंदी। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'वंदे मातरम150' के अंतर्गत बूंदी जिले में शनिवार को विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में शहर में तिरंगा रैली का आयोजन हुआ। रैली में भारत माता की जय, वन्दे मातरम् के जयकारों से पूरा बूंदी शहर गूंज उठा, जैसे-जैसे रैली शहर के बीचों बीच से निकली तो देशभक्ति की भावना से हर शहरवासी सराबोर हो गया। रैली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर, जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा एवं पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। तिरंगा रैली नवल सागर से शुरू होकर चारभुजा मंदिर से होते हुए पुलिस परेड ग्राउंड में जाकर संपन्न हुई। पुलिस परेड ग्राउंड में सामूहिक रूप से वंदे मातरम गीत का वाचन किया गया। क्रमबद्ध रूप से चलती रैली ने अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का सशक्त संदेश दिया। वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, बल्कि यह हर नागरिक के हृदय में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध का प्रतीक है।